05-09-2020

NIDHI-EIR कार्यक्रम

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. NIDHI-EIR कार्यक्रम इस मायने में महत्वपूर्ण है कि यह यूवा नवोदित उद्यमियों पर ध्यान देने के साथ स्टार्टअप्स के लिए रास्ता तैयार करता हैं।
2. अधिकतम 18 महीनों में प्रत्येक ईआईआर को 3.6 लाख रूपये अधिकतम समर्थन के साथ प्रति माह 30000 रूपये तक दिया जाता हैं।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य हैं :

(A) केवल 1 (B) केवल 1, 2

(C) 1, और 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :- (C) 1, और 2 दोनों

भूमिका :- नेशनल इनिशिएटिव फॉर डेवलपिंग एंड हार्नेसिंग इनोवेशंस (National Initiative for developing and Harnessing Innovations : NIDHI) के तहत रेजिडेंस इन एंडरप्रेन्योर्स इन रेजिडेशियल (Enterprenews in Residence: EIR) के एक ब्रोशर को डीएसटी के सचिव प्रोफेसर आशुतोष शर्मा ने 2 सितम्बर 2020 को एनआईडीएचआई-ईआईआर फैमिली के गेट टुगेदर में लॉन्च किया।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के नेशनल इनिशिवटिव फॉर डेवलपिंग एंड हारनेसिंग इनोवेशन (NIDHI) तहत उद्यमी-इन-रेसिडेंस (EIR) कार्यक्रम 18 महीने तक की अवधि के लिए एक आशाजनक प्रौद्योगिकी व्यवसाय विचार को आगे बढ़ाने के लिए क्षमतावान या उभरते उद्यमी का समर्थन करता हैं।
- अधिकतम 18 महीनो में प्रत्येक ईआईआर को 3.6 लाख रूपये के अधिकतम समर्थन के साथ प्रति माह 30000 रूपये तक दिया जाता हैं।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य इन महत्वाकांशी उद्यमियों को व्यावसायिक अवधारणा रणनीति और विशिष्ट उद्योगो या बाजारों में अंतर्दृष्टि पर अनुभवी, अभिनव और अत्यधिक सफल उद्यमियों ने मार्गदर्शन प्रदान करना हैं, जो उद्यमी होने के लिए सर्वश्रेष्ट प्रतिभाओं को प्रेरित करते है। स्टार्ट-अप को आगे बढ़ाने के लिए उच्च भुगतान वाली नौकरियों को भी दरकिनार कर देते हैं उन्हे इसके जरिये मदद जी जाती हैं।
- यह कार्यक्रम इस मायने में महत्वपूर्ण है कि यह युवा नवेदित उद्यमियों पर ध्यान देने के साथ स्टार्टअप्स के लिए रास्ता तैयार करता हैं।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

ताना भगत आंदोलन

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. ताना भगत आदिवासी समूदाय द्वारा छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम के तहत अपनी जमीन वापस करने की मांग कर रहें है। इसके साथ ही वे अपनी जमीन को लागत मुक्त करने की मांग कर रहे है।
2. साल 1919 जब टाना भगतो का आंदोलन महात्मा गांधी के आंदोलन से जा मिला और अंहिसा की विचारधारा को एक बड़ा जनसर्मथन मिला।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य हैं :

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1, और 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :- (C) 1, और 2 दोनों

भूमिका :- महात्मा गांधी के अनुयायी, ताना भगत आदिवासी समुदाय के लोगों ने रेल की पटरियों पर बैठकर भूमि अधिकार और छोटानागपुर वेनेंसी एक्ट में संशोधन की मांग की।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- ताना भगत आदिवासी समूदाय द्वारा छोटानागपुर, काश्तकारी अधिनियम के तहत अपनी जमीन वापस करने की मांग कर रहें हैं। इसके साथ ही व`अपनी जमीन को लगान मुक्त करने की मांग कर रहे हैं।
- मुंडा और ओरांव जनजातियों द्वारा चलये गए इस आंदोलन का नेतृत्व जतरा भगत (जतरा उरांव) और बलराम भगत ने किया था।
- 1914-15 के दौरान इन्होने छोटानागर के क्षेत्र में दिकुओं के हस्तक्षेप का विशेध किया था।
- जतरा उरांव का जन्म वर्तमान झारखंड के गुमला जिला के बिशुनपुर प्रखंड के चिंगारी गांव में 1888 में हुआ था।
- जतरा भगत के नेतृत्व में ऐलान हुआ- माल गुजारी नहीं देगें, बेगारी नही करेगें और टैक्स नहीं देगे।
- उसके साथ ही जतरा भगत का विद्रोह 'टाना भगत आंदोलन' के रूप में सुर्खियो में आ गया।
- अंग्रेज सरकार द्वारा जतरा उरांव को 1914 में गिरफ्तार कर लिया, और डेढ़ साल की सजा के बाद उतरा उरांव का अचानक देहांत हो गया।
- साल 1919 जब टाना भगतों का आंदोलन महात्मा गांधी के आंदोलन से जा मिला और अहिंसा की विचारधारा को एक बड़ा जमसमर्थन मिला।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- वे महात्मा गांधी के साथ 1922 के आंदोलन, नमक आंदोलन, असहयोग आंदोलन, 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन आदि में कदम से कदम मिलाकर चले।
- ताना भगत महात्मा गांधी की तरह खादी पहनते हैं और चरखा चलाते हैं। ताना भगत खुद से ही बनाकर खाते थें। किसी दूसरे के द्वारा बनाकर दिए जाने पर नहीं खाते थें।

मिशन-कर्मयोगी-राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम (NPGSCB)

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. एनपीसीएससीबी को सिविल सेवकों के लिए विकास के लिए आधारशिला रखने हेतु बनाया गया हैं।
2. इस कार्यक्रम को एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण-आईगॉट कर्मयोगी प्लेटफार्म की स्थापना करके कार्यान्वित किया जाएगा।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य हैं :

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1, और 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :- (C) 1, और 2 दोनों

भूमिका :- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2 सितंबर 2020 को संस्थागत ढांचे के साथ मिशन कर्मयोनी-राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम (NPCSCB) को शुरू करने की मंजूरी दी।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- एनपीसीएससीबी को सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास के लिए आधारशिला रखने हेतु बनाया गया है ताकि वे भारतीय संस्कृति और संवेदनाओं से सराबोर रहें और विश्व भर की श्रेष्ठ पद्धतियों से सीखते हुए अपनी जड़ो से जूडे रहें।
- इस कार्यक्रम को एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण-आईगॉट कर्मयोगी प्लेटफार्म की स्थापना करके कार्यान्वित किया जाएगा।
- मिशन कर्मयोगी का लक्ष्य भारतीय सिविल सेवकों को और भी अधिक रचनात्मक, सृजनात्मक, विचारशील, नवाचारी, अधिक क्रियाशील, प्रोफेशनल, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-समर्थन बनाते हुए भविष्य के लिए तैयार करना हैं।
- विशिष्ट भूमिका-दक्षताओं से युक्त सिविल सेवक उच्चतम गुणवत्ता मानको वाली प्रभावकारी सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करने में समर्थ होंगे।
- इस मिशन के संस्थागत ढांचे-

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

(1) प्रधानमंत्री की सार्वजनिक मानव संसाधन परिषद।

(2) क्षमता विकास आयोग।

(3) डिजिटल परिसम्पत्तियों के स्वामित्व तथा प्रचालन और ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए प्रौद्योगिक प्लेटफार्म हेतु विशेष प्रयोजन कंपनी।

(4) मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में समन्वयन एकक।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS